ECHO OF HIS CALL

यीशु मसीह के बुलावे की प्रतिध्वनि HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXV | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2020 FEBRUARY | No. 6

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजनसंहिता २०:१-६

१ संकट के दिन यहोवा तेरी सुन ले! याकूब के परमेश्वर का नाम तुझे ऊंचे स्थान पर नियुक्त करे!

२ वह पवित्रस्थान से तेरी सहायता करे, और सिय्योन से तुझे सम्भाल ले!

३ वह तेरे सब बन्नबलियों को स्मरण करे, और तेरे होमबलि को ग्रहण कर!

४. वह तेरे मन की इच्छा पूरी करे, और तेरी सारी युक्ति को सुफल करे!

५ तब हम तेरे उद्धार के कारण ऊंचे स्वर से हर्षित होकर गाएंगे, और अपने परमेश्वर के नाम से झण्डे खेड़े करेंगे। यहोवा तुझे मुंह मांगा वरदान दे!

६ अब मैं जान गया कि यहोवा अपने अभिषिक्त का उद्धार करता है; वह अपने दाहिने हाथ के उद्धार करनेवाले पराक्रम से अपने पवित्र स्वर्ग पर से सुनकर उसे उत्तर देगा।

७ किसी को रथों का, और किसी को घोड़ों का भरोसा है, परन्तु हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।

८ वे तो झुक गए और गिर पड़े: परन्तु हम उठे और सीधे खड़े हैं।

९ हे यहोवा, बचा ले; जिस दिन हम पुकारें तो महाराजा हमें उत्तर दे।

अपने भविष्य को आप स्वयं रचें!

...अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानो, और उससे लिपटे रहो; क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घजीवन यही है...
(व्यवस्थाविवरण ३०:२०)

(पास्टर सैम सिल्वा राज द्वारा मुख्य गिरजाघर में दिया गया संदेश)

इस संसार के लोग जीवन में बढ़ौतरी और बिना रोग के दीर्घायु की कामना करते हैं और इसे हासिल करने के लिए वे कई उपायों को और प्रयासों को अपनाते हैं। इस प्रयास में, कुछ लोग विजय को प्राप्त करते हैं और कुछ असफलताओं का सामना करते हैं। एक कहावत है कि सभी विद्वान सफलता प्राप्त नहीं होते, और जिन्होंने सफलता पाई है वे सभी विद्वान नहीं होते। इस संसार में कुछ भी हासिल करने के लिए, हमें परमेश्वर की ओर से अनुग्रह और दया प्राप्त होना चाहिए।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने हमें कई अच्छी वस्तुएं और आधुनिक साधन केवल उसके लोगों के द्वारा दिए जो दृढ़तापूर्वक सोचते थे। इन दिनों हम बिजली, अलग अलग प्रकार के बल्ब, मोटर गाड़ियां, दो पहिया वाहन, हवाई जहाज, रेलगाड़ियां, ट्रैक्टर, घड़ियां, कैमरे, सिलाई यंत्र, औषधियों का उपयोग करते हैं। परंतु जब हम इन शोधकर्ताओं की पृष्ठभूमि के विषय में सोचते हैं, तो हम यह देखकर अचम्भित होते हैं कि हमारा जीवित परमेश्वर इन सारे अन्वेषणों में उनके पीछे है। इस प्रकार, जो लोग सृजनहार के विषय में नहीं जानते थे, वे संसार में बहुत छोटी खोज कर पाए। परंतु हम सब परमेश्वर के लोगों की खोज के फलों का आनंद उठा रहे हैं।

परमेश्वर इस वर्ष आपके द्वारा कुछ नया करना चाहता है। परमेश्वर की योजना और उसे कार्यान्वित करने का लाभ सब का है, जिस प्रकार हम हवा और बारीश, सूर्य और चंद्रमा का आनंद उठाते हैं। परमेश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता (इफिसियों ६:९)। पूरा अवसर है कि परमेश्वर की योजना आपके द्वारा प्रगट हो और आप बहुतायत से आशीष प्राप्त करें। हमारा परमेश्वर कंगाल को धूलि में से उठाता है और दरिद्र को घूरे में से निकाल खड़ा करता है (१ शमुएल २:८)। आप जीवन में सब कुछ खो चुके होंगे, परंतु याद रखें आपने अपना भविष्य नहीं खोया है! तैयार रहें और उन आशीषों को मीरास में पाने के लिए आगे आएं जो प्रभु यीशु मसीह ने पहले से आपके लिए तैयार रखी हैं!

✪ 2019 - स्वर्ण जयंती वर्ष ✪

...क्रमशः पृष्ठ २...

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि

(ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, MARATHI, KANNADA, BENGALI, GUJARATI, NEPALI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS MONTHLY MAGAZINE)

"यहोवा... तेरी... बढ़ती करके तेरी भलाई करेगा।"
(व्यवस्थाविवरण २८:११)।

प्रभु यीशु मसीह में प्रिय मित्रों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनमोल नाम में हम आपका अभिवादन करते हैं! परमेश्वर ने इस सुसमाचार के द्वारा विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के जीवनों को छूकर उसकी सेवकाई पर जो आशीष प्रदान की, उसके लिए हम परमेश्वर के प्रति अत्यंत कृतज्ञ हैं। इस समाचार पत्र को पढ़ने, हमारे लिए प्रार्थना करने और हमारी सहायता करने के लिए हम आपके प्रति अत्यंत कृतज्ञ हैं।

जैसा कि आप जानते हैं, हम १ दिसम्बर २०१९ से ३१ फरवरी २०२० तक, हमारी विभिन्न सेवकाइयों द्वारा प्रभु यीशु मसीह का महिमामय सुसमाचार भेजने में अत्यंत व्यस्त थे। परमेश्वर विश्वासयोग्य स्वामी के रूप में हमारी ज़रूरतों को पूरा करता रहा है और राष्ट्रों के लिए उसके दर्शन को पूरा करने हेतु हमारा मार्गदर्शन करता रहा है।

आपके पत्रों, एस एम एस, ई-मेल, वॉट्स ॲप, टेलीफोन संदेशों आदि के द्वारा हमें प्रोत्साहन मिलता है। आपकी दयालूता के लिए परमेश्वर आपको बहुतायत की आशीष दे। हम सभी मित्रों का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने एस एम एस और वॉट्स ॲप संदेशों द्वारा हमें अभिवादन किया।

हमें फरवरी २०२० के **एको ऑफ हिज़ कॉल** में उल्लिखित प्रार्थना मुद्दों के लिए परमेश्वर की ओर से उत्तम प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। हम सचमुच हमारे प्रार्थना सहभागियों और सहायता करने वालों पर गर्व महसूस करते हैं।

हर वर्ष हमारे सेंट पौल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल में पढ़ने वाले हमारे सभी विद्यार्थी उनकी सरकारी परीक्षाओं में उत्तम अंकों से पास हो रहे हैं। इस वर्ष भी अप्रैल २०२० में होने वाली आगामी सरकारी परीक्षाओं में हमारे विद्यार्थियों की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमारी कलीसियाओं, १६ भाषा के प्रकाशनों, नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस, सुसमाचार छापखाना और अन्य क्रियाकलापों के लिए प्रार्थना करें। हम प्रभु में आपसे प्रेम करते हैं और आपके लिए प्रार्थना करते हैं।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह में आपका सेवक,
एस. सॅम सिल्वा राज

कुछ पचास वर्ष पूर्व, मेरे जीवन में ऐसी ही परिस्थिति आई थी। मेरे मित्रों और रिश्तेदारों के मध्य, कुछ लोग शराब और नशीली दवाओं के आदी थे, सिनेमा जानेवाले, शरीर की अभिलाषाओं के शिकार, मूर्तिपूजक, झूठ बोलने वाले, दूसरों को सताने वाले, चोरी में लिप्त, पैसों के प्रेमी और परमेश्वर के वचन को त्यागने वाले थे। मैं भी इन बुरे कामों से मुक्त नहीं था। परंतु हमारे प्रभु यीशु मसीह ने बड़े अनुग्रह से गम्भीर पापों में लिप्त होने से मुझे बचाया! ऐसे समय में, मुझे एक निर्णय लेना पड़ा।

जब मैं ऐसी परिस्थिति में था, तब मेरे कक्षा मित्र भाई जी. जयनाथ पौलमणि ने सुसमाचार का एक पर्चा मुझे थमाया और

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.
MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.
ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.
Bro. Rajeswaran Samuel, B.Com.
PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282
2852 9293, 2854 7766
Email : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

कहा कि मैं उसे पढ़ूं। यह पर्चा चेन्नई में रहने वाले भाई सैम्यूएल डॅनियल द्वारा प्रकाशित किया गया था। मैंने दो मिनटों में वह पर्चा पढ़ा। पर्चे का संदेश था यीशु मसीह तुम से प्रेम करता है। इस पर्चे ने मुझे अत्यंत आकर्षित किया। मैंने यह पर्चा बार बार पढ़ा!

मैं समझ गया कि प्रभु यीशु मसीह ने हमें सिखाया है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा है। इसलिए मैं अच्छाई को ढूंढ़ने लगा। प्रभु ने मुझे पकड़ लिया। "यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपनें लिए अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूंगा तब वह सुन लेगा।" (भजन ४:३)। मैंने अपना सम्पूर्ण हृदय और भविष्य बिना किसी शर्त उसकी शरण में दे दिया। मैंने अपने अंतर्मन में आनंद की अनुभूति की।

"मेरा प्रेमी गोरा और लाल सा है, वह दस हजार में उत्तम है। उसका सिर चोखा कुन्दन है; उसकी लटकती हुई लटें कौवों की नाईं काली हैं। उसकी आंखें उन कबूतरों के समान हैं जो दूध में नहाकर नदी के किनारे अपने झुण्ड में एक कतार में बैठे हुए हों। उसके गाल फूलों की फुलवारी और बलसान की उभरी हुई क्यारियां हैं। उसके होंठ सोसन फूल हैं जिनसे पिघला हुआ गन्धरस टपकता है। उसके हाथ फिरोज़ा जड़े हुए सोने के किवाड़ हैं। उसका शरीर नीलम के फूलों से जड़े हुए हाथीदांत का काम है। उसके पांव कुन्दन पर बैठाये हुए संगमर्मर के खम्भे हैं। वह देखने में लबानोन और सुन्दरता में देवदार के वृक्षों के समान मनोहर है। उसकी वाणी अति मधुर है, हां वह परम सुन्दर है। हे यरूशलेम की पुत्रियो, यही मेरा प्रेमी और यही मेरा मित्र है।" (श्रेष्ठगीत ५:१०-१६)।

मैंने यीशु में एक पवित्र मित्र पाया और उसे मेरे उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करने का ज्ञान विरासत में पाया। इस चुनाव ने मेरे जीवन को उलट-पुलट कर दिया है।

मैं बोलने में धीमा और पढ़ाई में धीमा था, मेरे पीछे कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी और न ही कोई आर्थिक सहायता और मनुष्य बल। परंतु प्रभु यीशु मसीह ने मुझे उठाया। अब मुझे किसी बात की कमी नहीं है। यही यीशु आपको भी उठाएगा। 'उसके पास आइए!! जीवन में ऊंचा उठना निश्चित है!!!'

यह बहुत बड़ा विशेषाधिकार है जो प्रभु ने मानवजाति को दिया है! यदि आप आगे आकर इसे चुनते हैं, तो जीवन में यह आपके लिए विशेषाधिकार होगा!! इस मार्ग के द्वारा आप विरासत में स्वर्ग के खजाने को पा सकते हैं!!! उत्तम चुनाव का अर्थ है आप ऐसी बात को चुन रहे हैं जिसे प्रभु पसंद करता है!

हो सकता है कि आपका पिछला जीवन कडवाहट से भरा हो, परंतु आपको भविष्य के विषय में कोई भय रखने की ज़रूरत नहीं है, भयभीत न हों। आपके लिए एक सुसमाचार इंतज़ार करता है! क्या आप अपने स्वयं के भविष्य को चुन सकते हैं? यह आपके हाथों में है! परमेश्वर ने कई अवसरों पर आपसे बात की है। आज ही समर्पण के साथ उसकी आज्ञा मानने का निर्णय लें। फैसला आपका है। आपको किसी और की सहायता की ज़रूरत नहीं है क्योंकि यह समुद्र के पार नहीं है, यह स्वर्ग में दूर नहीं है कि कोई ऊपर चढ़कर उसे आपके लिए ले आए। आपको केवल आपके हृदय में प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना है और अपने मुंह से घोषणा करना है। आपका भविष्य उस विश्वास पर निर्भर है जो आप अपने हृदय में बनाते हैं और जो शब्द आप अपने मुख के द्वारा घोषित करते हैं।

"देखो, यह जो आज्ञा मैं आज तुझे सुनाता हूं, वह न तो तेरे लिये अनोखी, और न दूर है। और न तो यह आकाश में है, कि तू कहे, कि कौन हमारे लिये आकाश में चढ़कर उसे हमारे पास ले आए, और हमको सुनाए कि हम उसे मानें? और न यह समुद्र पार है, कि तू कहे, कौन हमारे लिये समुद्र पार जाए, और उसे हमारे पास ले आए, और हमको सुनाए कि हम उसे मानें? परन्तु यह वचन तेरे बहुत निकट, वरन तेरे मुंह और मन ही में है, ताकि तू इस पर चले।" (व्यवस्थाविवरण ३०:११-१४)।

प्रभु ने व्यवस्थाविवरण ३०:२० में सरल तरीके से अत्यंत स्पष्टता के साथ जीवन और दीर्घायु और विजयी जीवन के लिए रहस्य निर्धारित किया है। "इसलिए अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानो, और उससे लिपटे रहो; क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घजीवन यही है।"

१. अपने परमेश्वर से प्रेम करें!

कुछ लोगों द्वारा इस संसार का प्रेम गलत स्थानों में निवेश किया गया है, जैसे शरीर की अभिलाषा, आंखों की अभिलाषा, जीविका का घमंड। "हे पितरो, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है कि जो आदि से है, तुम उसे जान गए हो। हे जवानो, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है कि तुम बलवन्त हो, और परमेश्वर का वचन तुममें बना रहता है, और तुमने उस दुष्ट पर जय पाई है। तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। और संसार और उसकी अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, परंतु जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा।" (१ यूहन्ना २:१४-१७)।

संसार का समाचार देखें। हर कहीं हत्या, डकैती, बलात्कार, आर्थिक अपराध हो रहे हैं, जो सामान्य मनुष्य के जीवन को प्रभावित करते हैं। ये सारी बातें इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों ने उनके प्रेम को गलत स्थानों में बोया है। लोगों ने परमेश्वर के विषय में, सृजनहार के विषय में नहीं सोचा और सृष्ट वस्तु में अपने प्रेम को निवेष किया। बाइबल कहती है :

"अपनी जवानी के दिनों में अपने सृजनहार को स्मरण रख, इससे पहले कि विपत्ति के दिन और वे वर्ष आएं, जिनमें तू कहे कि मेरा मन इन में नहीं लगता।" (सभोपदेशक १२:१)। जो लोग अपने जीवनों को राजनीतिक अगुवों के लिए दे देते हैं और जो बलात्कार और हत्याओं में लिप्त हैं, उनकी संख्या बढ़ गई है। वे अपने सृजनहार को भूल गए हैं। प्रभु यीशु ने कहा, "इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और ध र्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जायेगी।" (मत्ती ६:३३)। बहुत कम इस बुलाहट को सुनकर कार्य करते हैं।

पहले का अर्थ है, आपके जीवन के सारे कामकाजों में परमेश्वर को प्राथमिकता दें। ऐसा करते समय, आप जीवन में अद्‌भुत बातों को और आश्चर्यकर्मों को देखेंगे।

मैं जो आपके सामने यह बोलता हूं इसे अपने जीवन में अनुभव कर रहा हूं। मैं आपके सामने यह गवाही दे सकता हूं कि मेरी सारी सम्पत्ति, समय, शिक्षा, भौतिक स्वास्थ्य में मैं मेरे प्रभु को प्राथमिकता देता हूं। इसीलिए प्रभु मुझे हज़ारों लोगों के लिए आशीष के माध्यम के रूप में उपयोग कर रहा है। आप भी आगे आइए। जो कुछ आपका है उसे प्रभु नहीं छीनेगा। परमेश्वर आपको और आपके कार्य को कई गुना सम्पन्न बनाएगा और आपको और आपकी पीढ़ियों को भी देगा।

जो लोग अपना प्रेम शरीर की अभिलाषा, मनोविनोद और मोह सुखविलास और प्रेम प्रकरणों में निवेश करते हैं, वे परमेश्वर पर अपना प्रेम उण्डेलते हैं और परिणामों को देखते हैं। यह एक चुनौती है। और कोई इस संसार में हमारे प्रभु यीशु मसीह के समान सच्चा प्रेमी और मित्र नहीं हो सकता। असख्य लोग आंखों के पाप और पैसों की अभिलाषा के कारण दुख उठाते हैं और वे उसमें से बाहन नहीं निकल पाते हैं। उनके पाप को पूरा करने के लिए, टेलिविज़न, इन्टरनेट और मोबाईल जैसे आधुनिक अनुसंधान उनकी और सहायता करते हैं। कुछ लोग उनकी मूर्तियों (हीरो), उनकी शैलियों और सम्पत्ति से आकर्षित होते हैं। वे गुनाहों में पड़ जाते हैं और अंत में कैद में और असाध्य रोगों से अस्पतालों में जा पड़ते हैं।

प्रिय, आज, आप अपने प्रेम को कहां नि निवेश कर रहे हैं? क्या आपने उसे सही स्थान में निवेश किया है? यदि प्रभु आपके क्रियाकलापों को ताड़ना देता है, तो दलदल से बाहर निकलकर यीशु का पवित्र मुख अवलोकन करें।

बुराई जो कि जीवन की अभिलाषा है खतरनाक है। प्रभु घमण्डियों को उसका विरोध करने वाले मानता है। परमेश्वर घमण्डी या अभिमानियों का विरोध करता है (याकूब ४:६)। कुछ लोग निर्धन होते हुए भी ऐसा घमण्ड करते हैं मानो वे धनवान हो। जब कोई पहचान लेता है कि वे वास्तव में कौन हैं तो उन्हें अपमानित महसूस होता है। परमेश्वर दीनों पर अनुग्रह करता है (याकूब ४:६)। इसलिए, "तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है" (१ यूहन्ना २:१५)।

Echo of His Call Postal Courses

1. BIBLECOR

We offer a Postal Course on Basic Truths of The Bible to new christians and non-christians in English, Hindi & Tamil. You will get a course book entitled **New Life – For You!** with about 70 pages. After the completion of this course, you will get a certificate. **There will be no compulsory fees**. This courses is for candidates in India only.

2. THEOLOGICAL CORRESPONDENCE COURSE

Advanced Distance Education called **Theological Correspondence Course** is available for Pastors, Evangelists and Christian Leaders! A fee of Rs. 1000/- is charged. 7 Books with 142 Chapters are supplied. **Certificate in Ministry** will be awarded.

For more details, write to us.

The Chairman, Nehemiah Bible College, Echo of His Call
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Opp. Cricket Stadium,
Chepauk, Chennai - 600 005, India.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766, Cell : (+91) 98410 71852
95661 31858. E-mail : biblecor@yahoo.co.in

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA 2. ICICI BANK	Triplicane, Chennai -5 Anna Salai, Chennai -2	S. Sam Selva Raj Echo of His Call	SBIN 0000249 ICIC 0006038	102329 34679 6038 05022319

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ मार्च २०२० से १८ अप्रैल २०२० तक

(कृपया इस पृष्ठ का फाड़िय, घड़ी कीजिए आर उस अपनी बाइबल म रखकर निरतर प्राथना कीजिए।)

स्तुति विषय

फरवरी १६ हमारे समर्पित परिश्रम और एकता के लिए प्रभु हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी २० : **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के सभी प्रायोजकों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी २१ : हमारे तकनीकी कर्मचारी और उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी २२ : परमेश्वर हमारे मुख्य गिरजाघर की ५ भाषाओं में संचालित ७ सभाओं को आशीषित कर रहा है।

फरवरी २३ : प्रभु ने मुख्य कलीसिया और शाखा कलीसियाओं को आशीषित किया है।

फरवरी २४ : हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** के प्रधानाचार्य, अध्यापकों और कर्मचारियों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २५ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

फरवरी २६ : हमारा प्रभु हमारी अस्पताल सेवकाई में आश्चर्यकर्म कर रहा है।

फरवरी २७ : हम अपने प्रार्थना सहयोगियों, विश्वास सहभागियों, आजीवन सहभागियों, महान आदेश सहभागियों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २८ : परमेश्वर ने पिछले वर्ष अनपहुंचे क्षेत्रों में सुसमाचार के साथ प्रवेश करने में प्रवेश करने में सहायता की।

मार्च १ : परमेश्वर ने पिछले माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के सारे क्रियाकलापों को आशीषित किया।

मार्च २ : परमेश्वर की स्तुति करें वह हमारी गाड़ियों और ड्रायव्हरों की रक्षा कर रहा है।

मार्च ३ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस. सैम सिल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सारी बुरी शक्तियों से रक्षा कर रहा है।

प्रार्थना विषय

मार्च ४ : परमेश्वर इस माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** की सारी ज़रूरतों को पूरा करे।

मार्च ५ : हम बाइबल कोर बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च ६ : परमेश्वर लोगों को नशीली दवाओं के व्यसन से मुक्त करे।

मार्च ७ : हमारे देश के जवान भाई और बहन परमेश्वर की निकटता में जीवन बिताएं।

मार्च ८ : प्रभु हमारी कलीसिया के सदस्यों को मिशन क्षेत्र में कार्य करने वालों के लिए प्रार्थना करने वाला आत्मा दे।

मार्च ९ : हमारी आफ्रिकान सहायक सम्पादिका बहन मेरीत्जी नेल्सन और उनके परिवार के सदस्यों और सहायकों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १० : परमेश्वर संसार में चारों ओर शांति भेजे।

मार्च ११ : परमेश्वर २०२०-२०२१ में **हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस** को सही विद्यार्थी दे।

मार्च १२ : परमेश्वर सभी देशों में बेदारी के लिए प्रार्थना करने हेतु प्रार्थना योद्धाओं को तैयार करे।

मार्च १३ हमारे **सुसमाचार छापखाने** के लिए फोल्डिंग मशीन और पिनिंग मशीन के लिए परमेश्वर पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान करे।

मार्च १४ : परमेश्वर हमारे राजनीतिक अगुवों को उद्धार का अनुभव दे।

मार्च १५ : **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के और विकास और विस्तार के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १६ : विश्वभर के सभी अविश्वासियों और आतंकवादियों के मध य पश्चाताप की खोज के लिए प्रार्थना करें।

मार्च १७ : प्रभु हमारा परमेश्वर हमारे दफ्तर और स्कूल में पर्याप्त कर्मचारी सदस्यों को दे।

मार्च १८ : परमेश्वर हमारे **पासबान एस. सॅम सेल्वाराज** और उनके परिवार के सदस्यों से दुष्ट शक्तियों से रक्षा करता रहे।

...पृष्ठ ४ से आगे...

२. यीशु मसीह की आवाज़ सुनें

यीशु मसीह लोगों को मनुष्यों, प्रकाशित पुस्तकों और संचार माध्यमों के द्वारा बुलाता है। वह आपको भी बुलाता है। वह आपको नया जीवन देना चाहता है! "हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा" (मत्ती ११:२८)।

इस संसार के कई लोग उन लोगों के द्वारा धोखा खाते हैं जो यह दावा करते हैं कि वे ईश्वर के संदेशवाहक या देहधारी ईश्वर हैं। परंतु यीशु मसीह का अनुसरण करने के कारण कोई भी निर्धन नहीं हुआ। इस्राएल के राजा दाऊद ने घोषणा की, "मैं लड़कपन से लेकर बुढ़ापे तक देखता आया हूं; परन्तु न तो कभी धर्मी को त्यागा हुआ, और न उसके वंश को टुकड़े मांगते देखा है।" (भजनसंहिता ३७:२५)

"हे परमेश्वर के पुत्रो, यहोवा ही का, हां यहोवा का गुणानगुवाद करो, यहोवा की महिमा और सामर्थ को सराहो। यहोवा के नाम की महिमा करो; पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्डवत् करो। यहोवा की वाणी मेघों के ऊपर सुन पड़ती है; प्रतापी ईश्वर गरजता है, यहोवा घने मेघों के ऊपर रहता है। यहोवा की वाणी शक्तिशाली है, यहोवा की वाणी प्रतापमय है। यहोवा की वाणी देवदारों को भी तोड़ डालती है; यहोवा लबानोन के देवदारों को भी तोड़ डालता है। वह उन्हें बछड़े की नाई और लबानोन और शिर्योन को जंगली बछड़े के समान उछालता है। यहोवा की वाणी आग की लपटों को चीरती है यहोवा की वाणी वन को हिला देती है, यहोवा कादेश के वचन को भी कपाता है। यहोवा की वाणी से हरिणियों का गर्भपात हो जाता है। और अरण्य में पतझड़ होती है; और उसके मन्दिर में सब कोई महिमा ही महिमा बोलता रहता है। जलप्रलय के समय यहोवा विराजमान था; और यहोवा सर्वदा के लिये राजा होकर विराजमान रहता है। यहोवा अपनी प्रजा को बल देगा; यहोवा अपनी प्रजा को शान्ति की आशीष देगा" (भजनसंहिता २९:१-११)।

प्रभु यीशु मसीह आपको आग्रह के साथ बुलाता है। वह इस नए वर्ष में आपको नया जीवन देना चाहता है और देखना चाहता है कि आप सुंदर हैं। प्रभु यीशु मसीह इस संदेश के द्वारा आपके हृदय पर खटखटाता है। कृपया उसे अनसुना न करें।

आप काफी समय से मसीही रहे होंगे! आप शायद प्रभु की सेवा करते हैं!! आप दान के रूप में बड़ी रकम देते हैं!!! फिर भी प्रभु इस बात से चिंतित है कि आपने अपना पहला प्रेम छोड़ दिया है! (प्रकाशितवाक्य २:४)।

समय के साथ व्यक्ति ने अपना प्रार्थना समय कम कर दिया होगा, उत्साहपूर्ण प्रार्थना और जीवन में पवित्रता का अभाव होगा। वे पैसों के मामलों में और व्यक्तिगत जीवन में कम विश्वासयोग्य हो गए होंगे। परंतु तुरंत सारी बातों को ठीक कर दीजिए। प्रभु यीशु मसीह जो आपके जीवन में हस्तक्षेप करता है मध्य आकाश में जल्द ही आ सकता है। "क्योंकि तुम आप ठीक जानते हो कि जैसा रात को चोर आता है, वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है" (१ थिस्सलुनीकियों ५:२)। कलीसिया के उठा लिए जाने के बाद, पश्चाताप का कोई अवसर नहीं है। प्रभु यीशु श्वेत सिंहासन पर बैठेगा और संसार का न्याय करेगा। जो उसके पास आते हैं वे धन्य हैं!

जल्द ही होने वाली बातों को तत्परता के साथ पढ़

"फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसको जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, जिसके सामने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उनके लिए जगह न मिली। फिर मैंने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिहांसन के सामने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गईं; और फिर एक और पुस्तक खोली गई, अर्थात् जीवन की पुस्तक; और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उनके कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। और समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उसमें थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओं को जो उनमें थे दे दिया; और उनमें से हर एक के कामों के अनुसार उनका न्याय किया गया। और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए; यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है। और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया" (प्रकाशितवाक्य २०:११-१५)।

क्या हम बचेंगे नहीं?

"हे इस्राएल, तू क्या ही धन्य है! हे यहोवा से उद्धार पाई हुई प्रजा, तेरे तुल्य कौन है? वह तो तेरी सहायता के लिये ढाल, और तेरे प्रताप के लिये तलवार है; तेरे शत्रु तुझे सराहेंगे, और तू उनके ऊंचे स्थानों को रौंदेगा" (व्यवस्थाविवरण ३३:२९)।

३. उससे लिपटे रह, वह तेरा जीवन और दीर्घायु है

प्रिय, प्रभु यीशु मसीह से लिपटे रहने से मेरा लम्बा जीवन मधुर और फलदायक रहा है। मैं उसका स्वाद चखने के बाद यह आपको बता रहा हूं। यदि आप यह अवसर खो देंगे, तो आप कई बातें खो देंगे और हारने वालों की पहली कतार में खड़े रहेंगे। यीशु को ग्रहण न करने के कारण हो सकता है कि आपको पछताना पड़े। और आप विजयी जीवन नहीं बिता पाएंगे। इसलिए, अब समय है कि आप यीशु के पास आईये! आप आशीष पाएंगे!! अपना सम्पूर्ण जीवन प्रभु यीशु मसीह को दे दें। वह आपको आशीषमय और दीर्घायु का जीवन देगा। गीत की निम्नलिखित पंक्तियां आपके जीवन का अनुभव सिद्ध हों। ❐❐❐

एक दूसरे को सांत्वना दो

जब हमारे समाज में ऐसे लोगों की विशाल संख्या होती है जिन्हें सांत्वना की आवश्यकता होती है, तब हम पाते हैं कि उन्हें सांत्वना देने के बजाए लोग दोष देते हैं। जब कोई निर्धन व्यक्ति धनवान व्यक्ति के पास आर्थिक सहायता के लिए जाता है, तो वह उस पर चिल्लाता है और उसे बाहर खदेड़ देता है। जब एक अशिक्षित व्यक्ति अपनी उपजीविका कमाने के लिए मार्ग ढूंढ़ता है, तो उसका शोषण किया जाता है और उसे धोखा दिया जाता है। व्यक्ति को उसके बीमारी के बिछौने पर सांत्वना देने के बजाए, उस पर चोट करने वाले शब्द बोले जाते हैं जिससे उसकी बीमारी और बढ़ जाती है।

ऐसे ही लोगों के लिए परमेश्वर "कलीसिया के इकट्ठा होने" को सांत्वना पाने के एक मार्ग के रूप में दिखाता है। बाइबल में संत पौलुस के द्वारा परमेश्वर हमें सिखाता है कि हम एक दूसरे को सांत्वना दें (समझाते रहें) (१ थिस्सल. ४:१)। पौलुस न केवल हमें आज्ञा देता है बल्कि यह स्पष्ट भी करता है कि इस आज्ञा को कैसी पूरी करें। इसलिए वह लिखता है, "सो इन बातों से एक दूसरे को शांति (सांत्वना) दिया करो।" परमेश्वर हमसे बात करे कि हम इस संदेश के द्वारा कैसे सांत्वना प्रदान करें और कैसे सांत्वना प्राप्त करें।

परमेश्वर इस अनुच्छेद में तीन महत्वपूर्ण बातें प्रगट करता है (१ थिस्सल. ४:१६-१८)। अन्य किसी भी शब्दों से अधिक, "इन शब्दों" का गहरा अर्थ है। और वे उपयोगी हैं।

१. स्वयं प्रभु (यीशु) उतर आएगा

पहली सदी में हेरोदेस जैसे राजाओं ने मसीहियों को सताया। कई लोग शहीदों के रूप में मर गए। उन दिनों के विश्वासियों के पास सम्पन्नता में विश्वास नहीं था। पतरस, यूहन्ना, और पौलुस जैसे प्रेरित सम्पन्नता के विषय में नहीं सिखाते थे। परंतु उनके पास केवल अपने आपके लिए "पासवर्ड" था और वह था "मारानाथा" अर्थात् "यीशु आ रहा है।" ये शब्द और विश्वास जो प्रारम्भिक मसीहियों में पाया जाता था उसने उन्हें संजीवित किया, प्रेरित किया कि वे प्रभु यीशु से मिलने के लिए पापरहित पवित्र जीवन बिताएं। स्वर्ग में महिमामय मीरास उन्हें इस संसार की आकर्षक आशीषों से अधिक मोहक प्रतीत होती थी। वे कलीसियाओं में लगातार परमेश्वर की स्तुति करते थे। कठिनाइयों को सहते समय भी वे घोषित कर सके, "मेरे लिए जीना मसीह और मरना लाभ है" (फिलिप्पियों १:२१)। जब उन्हें परीक्षाओं का सामना करना पड़ा तब उन्होंने हियाव के साथ कहा, "परंतु केवल यह एक काम करता हूं कि जो बातें पीछे रह गई है, उनको भूलकर आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं ताकि वह ईनाम पाऊं, जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है" (फिलिप्पियों ३:१३, १४)।

रोग को चंगा किया जा सकता है, परंतु यह अंत नहीं है। जिस प्रकार वर्षा के बाद बादल बार-बार आते हैं, उसी प्रकार व्यक्ति के जीवन में एक के बाद एक रोग आते हैं। जब व्यक्ति अपना कर्ज अदा करता है, तब वह राहत महसूस कर सकता है। परंतु यह राहत स्थायी नहीं होती। इस बात को जानकर, प्रारम्भिक अभिषिक्त मसीही जो यीशु की सामर्थ समझ गए थे, एक दूसरे को सांत्वना देते थे। संसारिक शब्दों में, वे जब दूसरों को सांत्वना देना चाहते थे, तब "मारानाथा" कहते थे।

आज हम दूसरों को कैसे सांत्वना देते हैं? इन दिनों हम कैसे सांत्वना पाते हैं? क्या हम कुछ पैसा पाकर सांत्वना पाते हैं? क्या हम किसी रोग से मुक्ति पाने के बाद सांत्वना पाते हैं? क्या हम बहुत वेतन वाली नौकरी के कारण सांत्वना पाते हैं? ये सारी बातें आवश्यक है। इन सारी सांत्वना के ऊपर हमारे पास एक स्थायी सांत्वना है। यीशु मसीह का दूसरा आगमन हमारी स्थायी सांत्वना है। हम अब अपने आपको स्थायी तौर पर सांत्वना पाने के लिए तैयार करें। परमेश्वर हमें अनुग्रह दे कि हम इन वचनों से दूसरों को सांत्वना प्रदान करें।

२. जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे

(१ थिस्सलुनीकियों ४:१६)

मृत्यु प्रत्येक के जीवन में एक दुखदायक अनुभव है। हमने अपने आपको ऐसी परिस्थितियों में पाया होगा जहां हमने सोचा होगा हम उन लोगों को कैसे तसल्ली दें जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मसीहियों के रूप में हम ऐसे लोगों के पास जाते हैं और कहते हैं, "प्रभु उस खाली स्थान को भर दे जो मृत व्यक्ति छोड़ गया है।" अन्य लोग ऐसे लोगों के पास मनोवैज्ञानिक तौर पर या बौद्धिक तौर जाते हैं और उन्हें सांत्वना देने का प्रयास करते हैं। यद्यपि हम कुछ हद तक सांत्वना दे सकते हैं, परंतु स्थायी सांत्वना केवल संत पौलुस के शब्दों में पाई जाती है। नीतिवचन में हम पढ़ते हैं, "धर्मी को मृत्यु के समय भी शरण मिलती है" (१४:३२)। धर्मी व्यक्ति के पास अनंत जीवन में मज़बूत विश्वास होता है जो वह उसकी मृत्यु के पश्चात पाएगा और वह जानता है कि वह धन्य है क्योंकि जब मसीह जगत में आएगा तब सबसे पहले वे जी उठेंगे। मरियम, जिसने पुनरूत्थित यीशु को सबसे

पहले देखा बड़े आनंद से भर गई। उसी तरह, क्या यह जानना बड़े आनंद की बात नहीं है कि जो पवित्र जन मृत हैं, वे राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु को सबसे पहले देखेंगे, उन संतों के पहले जो जीवित हैं? इस आनंद को मन में रखते हुए संत पौलुस लिखता है, "हे मृत्यु, तेरी जय कहां रही? हे मृत्यु, तेरा डंक कहां रहा?" (१ कुरिन्थियों १५:५५)। इन शब्दों के साथ, हम बीमारों को और उन लोगों को जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, सांत्वना दें।

उसी समय, प्रभु हमें बुलाता है कि हम ऐसी कलीसिया में सहभागी हों जहां लोग एक दूसरे को इस तरह सांत्वना देते हैं जिससे हम प्रभु यीशु मसीह के दूसरे आगमन के समय पहले जी उठने के विशेषाधिकार का आनंद उठाएंगे।

हम निरंतर प्रभु के साथ रहेंगे

"मसीह के साथ हमेशा जीवित रहना" यह सबसे बड़ी आशाओं में से एक है और यह वह आशा है जो प्रभु अपने लोगों को देता है जो उसके साथ उसमें भरोसा रखते हुए जीते हैं। संत पौलुस लिखता है कि "कूच करके मसीह के पास जा रहूं" (फिलिप्पियों १:२३)।

जो अकेलेपन का जीवन बिताते हैं वे कभी सांत्वना नहीं पाते। मनुष्य अकेलेपन और खालीपन की परिस्थिति को सह नहीं सकता। ऐसे अवसरों पर यह सुखदायक बात है कि मसीह फिर से आने वाला है और हम उसके साथ सदा जीवित रहेंगे, जो हमें सच्ची सांत्वना या शांति प्रदान करती है। हमें यह भी जानना है कि कौन प्रभु के साथ हमेशा जीवित रहने का आनंद उठाएगा। हालांकि हमें अनंतकाल में इस प्रकार के जीवन का आश्वासन है, फिर भी हमें संसार ही में मसीह में जीवन बिताना है। ऐसा जीवन हमें सांत्वना प्रदान करेगा और दूसरे आगमन के बाद उसके साथ सदा के लिए जीवित रहने हेतु हमें तैयार करेगा। "हनोक परमेश्वर के साथ साथ चलता था" (उत्पत्ति ५:५५)। "परमेश्वर के समीप रहना यही मेरे लिए भला है" (भजन ७३:२८)। हम भजन के लेखक को यह कहते हुए पाते हैं कि वह इस बात को जानकर सदा सन्तुष्ट है कि परमेश्वर हमेशा उसके साथ है। जब मसीह मरियम के गर्भ में शिशु ही था तब उसका "आत्मा उसके उद्धार करने वाले परमेश्वर से आनंदित हुई" (लूका १:४७)। मसीहियों के जीवनों को सम्पन्न होने के लिए मसीह में सहभागिता नितांत आवश्यक है। सबसे बड़ी सांत्वना यह ज्ञान है कि प्रभु परमेश्वर हमारे साथ है।

यीशु कहता है, "देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।" (प्रकाशितवाक्य ३:२०)। जो इस अनमोल निमंत्रण को स्वीकार करेंगे वे सांत्वना पाएंगे। उस शुलेमी के समान जिसने कहा, "वह मुझे भोज के घर में ले आया और उसका जो झण्डा मेरे ऊपर फहराता था वह प्रेम था" (श्रेष्ठगीत २:४), हम उसके प्रेम की ध्वजा के नीचे रहें। तब हम सचमुच सांत्वना पाएंगे। परमेश्वर का अनुग्रह हमारे साथ हो।

एको ऑफ हिज़ कॉल विज्ञापन दर

आकार	एक भाषा केवल सभी	१६ भाषाओं में
चौथाई	रु. २,०००	रु. ३०,०००
आधा पृष्ठ	रु. ३,५००	रु. ५०,०००
पूरा पृष्ठ	रु. ५,०००	रु. ७०,०००

समाचार

बाल विवाह के विरोध में लड़ना

भारत में बाल विवाह की संख्या संक्रामक अनुपातों में बढ़ती जा रही है, हालांकि पिछले तीन दशकों में इसका दर लगभग ५० से २७ प्रतिशत तक घट गया है (२०१६, यूनिसेफ)। भारत में प्रतिदिन, १५,६०० लड़कियां (या प्रतिवर्ष करीब १५ लाख वधुओं के वैश्विक दर की तुलना में प्रतिवर्ष करीब ६ लाख) बाल विवाह का शिकार बनती हैं। लड़कियों को स्कूल छोड़ने पर मज़बूतर किया जाता है और वे अपने पति घरों में गुलाम बनकर रह जाती हैं। यदि वे गर्भवती हो जाती हैं तो उन पर मृत्यु का खतरा मंडराता है क्योंकि उनके शरीर बच्चों को जन्म देने के लिए तैयार नहीं होते।

एक व्यक्ति जो पिछले ४० वर्षों से बाल विवाह के विरोध में अभियान चला रहा है और लड़कियों के लिए समान अधिकारों के लिए लड़ रहा है, वह है डॉ. अशोक दयालचंद। ख्रिश्चन मेंडिकल कॉलेज, वेल्लोर के छात्र रहे डॉ. अशोक को लाखों बच्चों ने २०१६ का बाल अधिकार हीरो और "बाल नोबल पुरस्कार" कहे जाने वाले विश्व बाल पुरस्कार (डब्लू सी पी) के प्राप्तकर्ता के रूप में चुना है। डॉ. अशोक और उनकी संस्था आय. एच. एम. पी. ने लड़कियों के क्लबों की स्थापना की है जिनके द्वारा १६७५ से ५०० देहातों की कुछ ५०००० लड़कियां अपने अधिकारों के विषय में सीख पाई हैं और उन्होंने जीवन कौशल शिक्षा प्राप्त की है। ज्ञान, आत्म-विश्वास और एक दूसरे की सहायता पाकर , ये लड़कियां अपने अभिभावकों समझा पाती हैं कि वे बाल विवाह के लिए उन पर ज़ोर-ज़बरदस्ती न करें, और उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने दें।

(Source:https://worldschildrensprize.org/ashokstory)

– फोररनर (अगस्त २०१६)

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

"क्योंकि परमेश्वर अन्यायी नहीं कि तुम्हारे काम, और उस प्रेम को भूल जाए, जो तुमने उसके नाम के लिए इस रीति से दिखाया, कि पवित्र लोगों की सेवा की, और कर भी रहे हो।" (इब्रानियों ६:१०)।

१९८२ में, मुझे सेवकाई में बहुत यात्रा करना पड़ता था और उसी समय, मुझे मेरी स्थानीय सेवकाई पर भी ध्यान केन्द्रित करना पड़ता था। उन दिनों में मेरे दाहिने हाथ में बहुत दर्द होता था। परिणामस्वरूप मैं मासिक के लिए लेख नहीं लिख पाता था और मैं कुछ और ज़िम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाता था। न ही मैं पेन पकड़ पाता था और न ही गाड़ी चला पाता था। यदि मैं मेज पर अपना दाहिना हाथ रखना चाहता था, तो मैं केवल बाए हाथ की सहायता से ही उसे उठा पाता था। मुझे मेरे सारे काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था! इसके अलावा मुझे बहुत दुख उठाना पड़ता था!

मैंने न केवल प्रार्थना की, बल्कि कुछ व्यायाम भी किए। यह स्थिति करीब एक साल तक बनी रही। जब दर्द बढ़ गया, तब मैंने सोचा कि मुझे इससे कोई राहत नहीं मिलेगी।

परमेश्वर ने मार्ग तैयार किया

एक दिन परमेश्वर का एक वृद्ध सेवक अपनी पत्नी के साथ मुझ से मिलने के लिए आया। उन्होंने मुझ से बिनती की कि मैं उनकी सेवकाई में उनकी सहायता करूं। मैं हमारी कलीसियाओं और सेवकाइयों में आयोजित विशेष सभाओं में उनका उपयोग करने लगा। मैं उनके संदेशों का अंग्रेज़ी से तमिल भाषा में अनुवाद करता था और मुझे उन्हें विभिन्न स्थानों में ले जाना पड़ता था। परमेश्वर ने सामर्थ के साथ उनका उपयोग किया। कई लोगों ने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण किया। मैं यह भी देखता रहा कि कितने लोगों ने पुराने पीठ दर्द से, गले के दर्द से छुटकारा पाया। कुछ लोगों ने दुष्टात्माओं के कार्य से भी छुटकारा पाया। परंतु मेरे हाथ में होने वाले दर्द के विषय में मैंने उन्हें कभी नहीं बताया।

यह दम्पत्ति अत्यंत वृद्ध थे, अतः मुझे उनके दो सुटकेस तथा मेरा सुटकेस भी उठाकर चलना पड़ता था। लेकिन मैं खुशी के साथ वह करता था, मगर दर्द में हाथ में था ही। कई बार, परमेश्वर का यह जन मुझसे पूछता, "क्या आप तीनों सुटकेस उठा पा रहे हो? ठीक तो हो?" एक बार जब हम केरल राज्य के मुनार में थे, तब मैं हमारा सारा लगेज बस में डालने की कोशिश कर रहा था। लेकिन हुआ यह कि मेरे सुटकेस और अन्य यात्रियों का सामान भी मेरी ओर झुक गया और मैं उसका धक्का खाकर नीचे गिर गया। मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा कि कैसे सारे यात्री चिल्ला पड़े और उस समस्या से बाहर आने में उन्होंने मेरी सहायता की। मेरे दाहिने हाथ का दर्द दिन-ब-दिन बढ़ ही रहा था। लगेज उठाकर चलने के अलावा मैं अपना अनुवाद का काम भी कर रहा था!

अंत में, उस दम्पत्ति ने भारत में अपनी सेवा पूरी की और चेन्नई से विमान पकड़कर अपने देश के लिए निकल पड़े। जब मैं उन्हें हवाई अड्डे पर छोड़ने के लिए गया था, तब वह दर्द सहने से बाहर था। परंतु उन्हें हवाई अड्डे पर छोड़कर जैसे ही मैं वापस लौट आया, तो मैंने पाया कि जो दर्द मैं एक वर्ष से अधिक समय से अनुभव कर रहा था, पूरी रीति से गायब हो गया। उस समय के बाद, मैं अपने हाथों को अच्छी तरह से हिला सकता था और सब प्रकार के काम कर सकता था!

उस दर्द को अनुभव किए लगभग तीस वर्ष बीत गए हैं! मैंने बाद में उस दर्द का कभी अनुभव नहीं किया। मुझे आश्चर्यजनक रूप से चंगाई मिली! सच्चाई यह है, कि मैंने अपने शारीरिक दर्द की परवाह न करते हुए उनकी सेवा की, इसलिए जो चंगाई की सामर्थ उस दम्पत्ति में थी वह मुझ पर उतर आई और उसने मुझे चंगा कर दिया। मैंने बाद में परमेश्वर के उन सेवकों को कभी नहीं देखा। मैं उनसे सम्पर्क भी नहीं कर पाया। मुझे केवल उनके नाम याद हैं : मि. हेजेस और सैली हेजेस।

आज परमेश्वर ने मुझे कई साथी पासवान और सेवक देकर बहुतायत की आशीष दी है और बच्चे के समान मेरी देखभाल की जाती है। परमेश्वर मेरी अच्छी तरह से रक्षा करता है। परमेश्वर के कई लोग हैं जो मेरी सहायता करने के लिए तैयार हैं। परमेश्वर ने मुझे उत्तम धर्मी लोग दिए हैं, मैं संसार में कहीं भी जाऊं वे मेरी सहायता करते हैं।!

प्रिय वाचक, क्या जिस मार्ग से आप सेवकाई में चल रहे हैं, वह अत्यंत मुश्किल है? क्या आप कड़वाहट महसूस करते हैं और सोचते हैं कि परमेश्वर क्यों आपको भूख, उपवास, रोग और कर्ज़ में पड़े रहने देता है? क्या आप सोचते हैं कि जब परमेश्वर के अन्य सेवक विलासितापूर्ण जीवन बिता रहे हैं, ऐसे समय केवल आप ही क्यों इस मुश्किल को सह रहे हैं? चिंता न करें। आप परमेश्वर के लिए जो भी छोटा काम करते हैं और जिस बड़ी परीक्षा से आप होकर गुज़रते हैं, वे सभी प्रभु के स्मरण के पुस्तक में लिखी हैं। सही समय में, परमेश्वर उन्हें जीवन देगा और उन सारी मुश्किलों को आपके लिए आशीष में बदल देगा। "जो यहोवा की बांट जोहते और उसके पास जाते हैं, उनके लिए यहोवा भला है" (विलापगीत ३:२५)।

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/18-20

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-

आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों

कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई के लिए आपके पत्र, बिनती, प्रार्थना आर्थिक सहायता आदि (डी. डी. चेक, मनिऑर्डर आदि द्वारा) नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

कृपया अपना लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता आवश्यक सुधार के लिए भेजें।

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai- 600 005, India.

Phone : (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

Email : sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in

Website : www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

आप अपनी भेटों को ऑन-लाईन भी भेज सकते हैं।

कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा	: २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी	
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान	
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (दो केन्द्र)	
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एंवतमिल	
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स	
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम	
८. फिल्म सेवा और सुसमाचार सभाएं	
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप	
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय	-प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मॅट्रिक्युलेशन स्कूल	- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल	रविवार प्रातः ८.३० बजे
१३. तमिल आराधना	**रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे**
१४. तेलुगू आराधना	**रविवार सायं ४.०० बजे**
१५. हिन्दी आराधना	**रविवार सायं ५.०० बजे**
१६. मलयालम आराधना	**रविवार सायं ५.०० बजे**
१७. अंग्रेजी तथा तमिल आराधना	**रविवार सायं ६.०० बजे**
१८. लघुपत्रिकाओं का वितरण	रविवार दोपहर २.३० बजे
१९. पादरियों द्वारा सलाह मशवरा	रविवार सायं ४.०० बजे
२०. महिलाओं की प्रार्थना सभा	बुधवार सायं ५.३० बजे
२१. सप्ताह के मध्य बाइबल अध्ययन	बुधवार सायं ६.३० बजे
२२. पुरुषों की प्रार्थना सभा	शुक्रवार सायं ६.३० बजे
२३. शनिवार के दिन की आराधना	शनिवार सायं ५.०० बजे
२४. कर्मचारियों की सभा	शनिवार सायं ६.०० बजे
२५. गृह सभाएँ	मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२६. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज	प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२७. कर्मचारी समीक्षा सभा	प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२८. पालकों की प्रार्थना सभा	प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२९. रात्रकालिन प्रार्थना	द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
३०. उपवास के साथ प्रार्थना	प्रथम शनिवार सायं ९.३० बजे
३१. पवित्र प्रभुभोज	द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
३२. प्रातःकालीन आराधना	प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
३३. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना आराधना	प्रतिदिन प्रातः ९.०० बजे
३४. कार्यालय	प्रातः ९.०० बजे से सायं ९.०० बजे (रविवार छोड़कर)

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/18-20
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8 th & 9 th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 10th FEBRUARY 2020
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**